

आदेश पत्रक

देखे अभिलेख हेरताक, 1914 का नियम 129

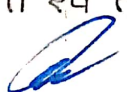

त पत्रक ता०

तक जिला धनबाद

म.पी. वाद संख्या

425/17

धारा 144 ए.स.

तिथि	पदाधिकारी का आदेश और हरताक्षर	अ.प्र.सं.
23.3.17	<p>दं. प्र. सं. को धारा-144 के तहत थाना प्रभारी, गोविन्दपुर अ. प्र. सं. 10 /17 दिनांक-22-3-2017 से प्राप्त प्राप्त प्रतिवेदन में दिया गया है कि प्रथम पक्ष एवं द्वितीय पक्ष के बीच भूमि विवाद है। जिसमें पक्षकारों के बीच शांति भंग होने की संभावना बनी हुई है, इसलिए दोनों पक्षों के विरुद्ध द. प्र. सं. की धारा-144 के तहत कार्रवाई करके प्रतिबंधित करने की अनुशंसा की गई है।</p> <p>पुलिस प्रतिवेदन का मैंने अवलोकन किया। अवलोकनोपरांत मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त विवाद को लेकर पक्षकारों के बीच शांति भंग होने की संभावना बनी हुई है। जिसका तुरंत रोक जाना नितान्त आवश्यक है।</p> <p>अतः उभय पक्षों के विरुद्ध दं. प्र. सं. की धारा-144 के अन्तर्गत कार्रवाई प्रारंभ की जाती है। कार्रवाई पर्यन्त 60 साठ दिनों तक प्रश्नगत भूमि पर शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु पक्षकारों को आदेश दिया जाता है कि निर्धारित तिथि 5.4.17 को 10.00 बजे पूर्वाह्न में मेरे न्यायालय में निश्चित रूप से उपस्थित होकर अपना अपना कारणपृच्छा दाखिल करें, कि वधों नहीं धारा-144 के अन्तर्गत जारी निषेधाज्ञा आपके विरुद्ध सम्पुष्ट किया जाय।</p> <p style="text-align: center;">प्रश्नगत भूमि का विवरण</p> <p style="text-align: center;">-----</p> <p>मौजा-दलदली, मौजा नं०-215, खातानं०-13, प्लोट सं०-1305, रकबा-15 डी. चौहद्दी-पुरब-आनंद खानी का परती जमीन, पश्चिम-राजू खान का परती जमीन, उत्तर-कच्ची सड़क, दक्षिण-राम लाल माँझी का पक्के का मकान।</p> <p>लेखापित एवं संशोधित</p> <p style="text-align: center;"></p> <p>अनुमंडल दण्डाधिकारी धनबाद।</p> <p style="text-align: center;"></p> <p>अनुमंडल दण्डाधिकारी धनबाद।</p>	